1	2	3	4
		(ii) Order placed for procurement of Doppler Very High Frequency Omni Range (DVOR) and Distance Measuring Equipment (DME)	Rs. 84.00 lakhs
2	Vijayawada . .	*Modernisation schemes*	
		Provision of night landing facilities such as taxiway lights, apron flood lights and Precision Approach Path Indicator (PAPI). (These works are likely to be completed by the end of this year)	Rs. 55.00 lakhs
3	Visakhapatnam .	This airfield belong to the Indian Navy and the NAA is maintaining a civil enclave for providing passenger handling facilities which are considered adequate to cater to the requirements of passengers at present.	—
4	Rajamundry . .	Construction of semi-permanent building .	Rs. 01.00 lakh (token provision)
5	Tirupati . .	Installation of Precision Approach Path Indicator (PAPI). (This scheme is expected to be completed by 31-10-1989).	Rs. 14.70 lakhs
6	Cuddapah . .	The National Airports Authority (NAA) has no plan for upgradation of the aerodrome at present.	—

इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली में निर्यात के माल का रुका होना

300. **श्री शांति त्यागी :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली पर विदेशों को निर्यात किए जाने वाला दो हजार टन माल रुका पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ग) क्या सरकार निर्यात के माल के लदान के संबंध में कोई भावी योजना पर विचार कर रही है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) से (ग) जी, हां। यह बुक किया गया कार्गो है जिसे विमान-कम्पनियों द्वारा उड़ानों के परिचालनों के समय उठाया जाएगा। निर्यातकर्ताओं की सहायता के लिए, सरकार ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण टर्मिनल पर कार्गो के भंडारण के लिए विलंब शुल्क मुक्त अवधि को छः दिन से बढ़ाकर ग्यारह दिन कर दिया है। चालू वर्ष तथा अगले वर्ष में जनवरी से जुलाई तक की व्यस्तम अवधि के दौरान सरकार ने विदेशी विमान कम्पनियों सहित सभी विमान कम्पनियों को भारत से बाहर की कार्गो सेवाओं के लिये निःशुल्क परिचालन करने की अनुमति दी है। इन उड़ानों को आर्थिक दृष्टि से सक्षम बनाने के लिए इन उड़ानों में कार्गो भी लाया जा सकता है। राष्ट्रीय विमान दाहद भी अपनी कार्गो क्षमता को बढ़ा रहा है।